विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय

रूपम कुमारी , वर्ग-दशम् , विषय-हिन्दी 🌷

दिनांक- ४/६/२०   ।। अध्ययन -सामग्री ।।

प्यारे बच्चों,

सुप्रभात !

हर दिन एकांत में बैठकर कम से कम 5 बार(सुखासन में) एक विचार को अपने अंदर उठने दे कि- सब कुछ अच्छा ही होगा, हम जल्द ही इस महामारी से मुक्त होंगे । रोज ऐसा करें रात में या दिन में जब आप शांत हो तब । इसके कई फायदे होंगे आपके अंदर एक सकारात्मक शक्ति काम करना शुरू करेगी जो आपके तनाव को कम कर देगी । तथा बालिका विद्यापीठ के सभी बच्चे अगर अपने अपने घरों में रोज ऐसा करेंगे तो एक

सकारात्मक उर्जा का घना शक्तिपुंज उठकर ब्रह्मांड की ओर जाएगा और शक्ति रूप में उभरेगा तथा तेजी से सक्रिय होगा जो काफी बड़ा एवं सुखदाई परिणाम देगा क्योंकि विवेकानंद ने कहा है – "ब्रह्मांड में विचार से शक्तिशाली कुछ भी नहीं है ।

वार्त्तालाप :

बच्चों आज हम कर्तृवाच्य को भाववाचक में बदलना जानेंगे ....

पठन-पाठन :

कर्तृवाच्य को भाव वाच्य में बदलने के नियम –

- ***कर्ता के आगे से या के द्वारा लगाएं ।***

जैसे – बच्चों - बच्चों से

लड़की है तो -लड़की के द्वारा

- ***सामान्य भूतकाल की क्रिया के एकवचन में बदलकर उसके साथ जाना धातु के साथ एकवचन,पुं ० ,अन्य पुरुष में वही का लगा दे जो कर्तृवाच्य की क्रिया का होगा ।***

जैसे _ पढ़ेंगे - पढ़ा जाएगा

खेल रही थी - खेला जा रहा था

सोते हैं - सोया जाता है ।

नियम-२ में हमने देखा कि मुख्य क्रिया पढ़ना, खेलना तथा सोना को सामान्य भूतकाल में यानी पढ़ा , खेला और सोया कर दिया गया तथा क्रिया के काल को मुख्य क्रिया के काल के मुताबिक ही रखा गया । तथा उसमें जाना क्रिया को जोड़कर लिखा गया । जाना क्रिया का वही काल रहेगा जो कर्तृवाच्य में मुख्य क्रिया का काल है ।

अब हम कुछ उदाहरण को देखेंगे –

- ***मैं नहीं पढ़ता -मुझसे पढ़ा नहीं जाता***
- ***हिरण दौड़ता है -हिरण से दौड़ा नहीं जाता है ।***

दी गई अध्ययन सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझने का प्रयास करें ।क्योंकि व्याकरण बिना समझे व्यर्थ है। अगर आपके पास इससे संबंधित पाठ्यपुस्तक है तो उसकी भी मदद लें ।

शेष के लिए उत्सुकता बनाएँ रखें